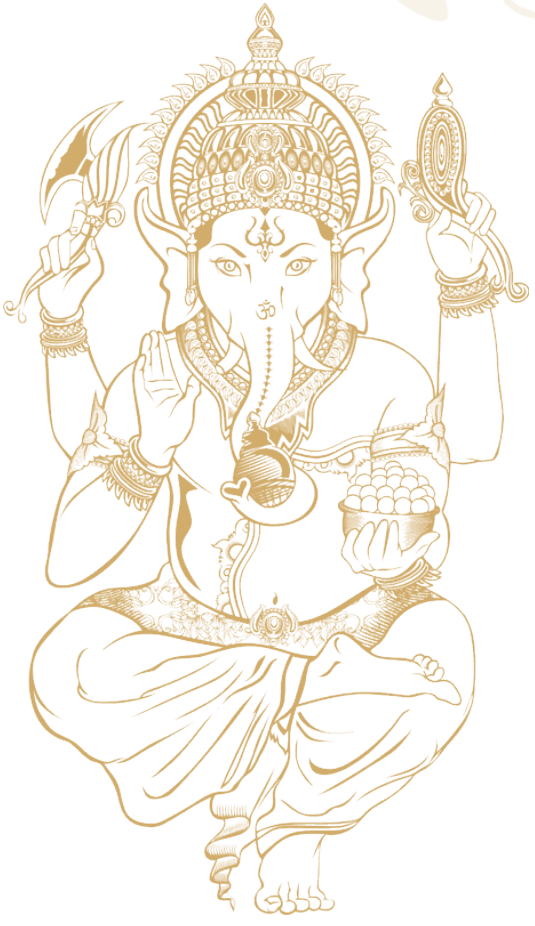

Sanskriti

30 May 1998

03:09 PM

Dehradun

Model: web-freekundliweb

Order No: 120940402

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30/05/1998**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**15:09:00 घंटे**
इष्ट	24:39:12 घटी
स्थान	**Dehradun**
राज्य	Uttarakhand
देश	India

अक्षांश	30:19:00 उत्तर
रेखांश	78:03:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:51:12 घंटे
वेलान्तर	00:02:32 घंटे
साम्पातिक काल	07:22:01 घंटे
सूर्योदय	05:17:19 घंटे
सूर्यास्त	19:13:32 घंटे
दिनमान	13:56:13 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	14:57:26 वृष
लग्न के अंश	23:56:59 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	ध्रुव
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डाली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	23:56:59	311:37:14	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	---
सूर्य			वृष	14:57:26	00:57:33	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	14:19:34	12:54:06	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	वृष	10:36:02	00:42:25	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
बुध		अ	वृष	02:16:12	01:58:51	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मीन	00:38:22	00:08:19	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			मेष	06:39:27	01:09:48	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	सम राशि
शनि			मेष	05:09:12	00:06:26	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	नीच राशि
राहु	व		सिंह	11:40:41	00:03:10	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	11:40:41	00:03:10	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	18:50:38	00:00:37	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	08:09:13	00:00:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	12:48:09	00:01:38	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			मिथु	25:06:06	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:58

लग्न-चलित

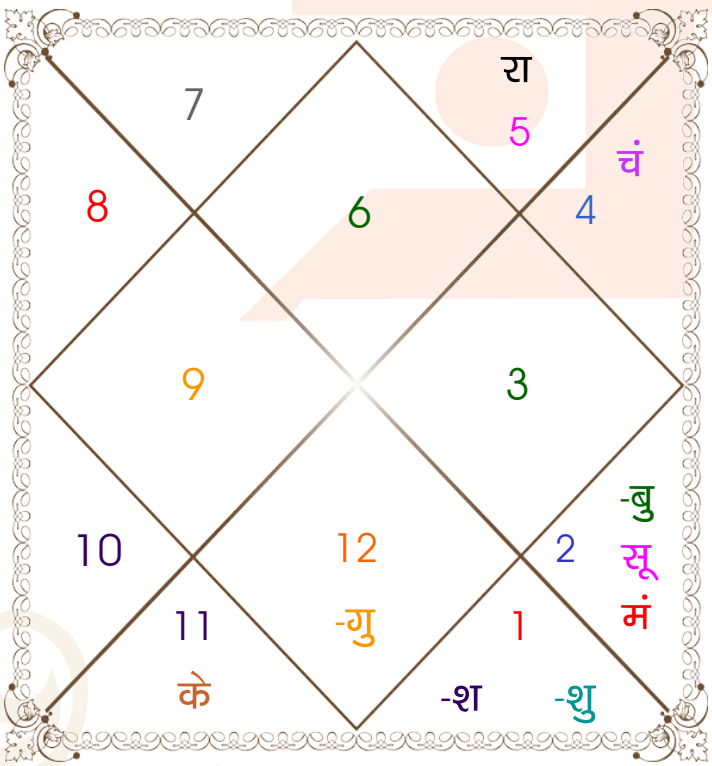

चन्द्र कुंडली

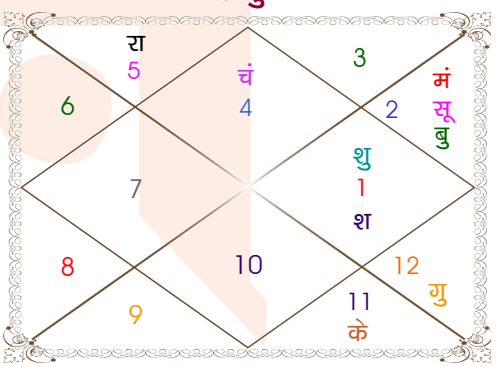

नवमांश कुंडली

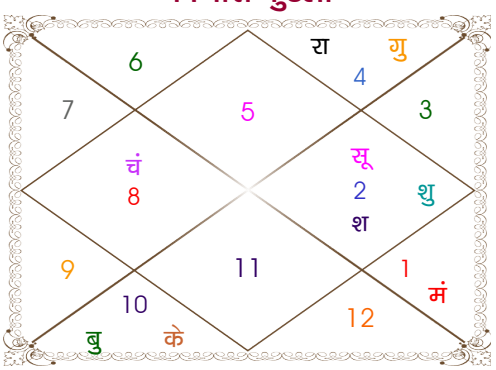

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 3 वर्ष 4 मास 0 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
30/05/1998		29/09/2001		30/09/2018		29/09/2025		29/09/2045	
29/09/2001		30/09/2018		29/09/2025		29/09/2045		30/09/2051	
	00/00/0000	बुध	26/02/2004	केतु	26/02/2019	शुक्र	29/01/2029	सूर्य	17/01/2046
	00/00/0000	केतु	22/02/2005	शुक्र	27/04/2020	सूर्य	29/01/2030	चंद्र	19/07/2046
	00/00/0000	शुक्र	24/12/2007	सूर्य	02/09/2020	चंद्र	30/09/2031	मंगल	23/11/2046
	00/00/0000	सूर्य	30/10/2008	चंद्र	03/04/2021	मंगल	29/11/2032	राहु	18/10/2047
	00/00/0000	चंद्र	31/03/2010	मंगल	30/08/2021	राहु	30/11/2035	गुरु	05/08/2048
	00/00/0000	मंगल	28/03/2011	राहु	17/09/2022	गुरु	31/07/2038	शनि	18/07/2049
	30/05/1998	राहु	15/10/2013	गुरु	24/08/2023	शनि	29/09/2041	बुध	25/05/2050
राहु	19/03/1999	गुरु	20/01/2016	शनि	02/10/2024	बुध	30/07/2044	केतु	30/09/2050
गुरु	29/09/2001	शनि	30/09/2018	बुध	29/09/2025	केतु	29/09/2045	शुक्र	30/09/2051

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/09/2051		29/09/2061		29/09/2068		30/09/2086		01/10/2102	
29/09/2061		29/09/2068		30/09/2086		01/10/2102		00/00/0000	
चंद्र	30/07/2052	मंगल	26/02/2062	राहु	12/06/2071	गुरु	17/11/2088	शनि	03/10/2105
मंगल	28/02/2053	राहु	16/03/2063	गुरु	05/11/2073	शनि	31/05/2091	बुध	13/06/2108
राहु	30/08/2054	गुरु	20/02/2064	शनि	11/09/2076	बुध	05/09/2093	केतु	22/07/2109
गुरु	30/12/2055	शनि	31/03/2065	बुध	31/03/2079	केतु	12/08/2094	शुक्र	21/09/2112
शनि	30/07/2057	बुध	28/03/2066	केतु	18/04/2080	शुक्र	12/04/2097	सूर्य	03/09/2113
बुध	30/12/2058	केतु	24/08/2066	शुक्र	18/04/2083	सूर्य	29/01/2098	चंद्र	04/04/2115
केतु	31/07/2059	शुक्र	24/10/2067	सूर्य	12/03/2084	चंद्र	31/05/2099	मंगल	13/05/2116
शुक्र	31/03/2061	सूर्य	29/02/2068	चंद्र	11/09/2085	मंगल	07/05/2100	राहु	31/05/2118
सूर्य	29/09/2061	चंद्र	29/09/2068	मंगल	30/09/2086	राहु	01/10/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 3 वर्ष 4 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगी। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगी।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगी। आप अपने पति के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगी। आप व्यवहार कुशल महिला है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगी। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहती हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करती हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगी। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगी। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करती हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं।

आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखती हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगी। जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उनकी सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगी।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगी। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाली चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगी। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगी। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पति एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगी।

आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की

प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें। आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगी। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मूत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकती है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।